

---

.. Amba navamanimala or Arya navakam ..

॥ अम्बा नवमणिमाला अथवा आर्या नवकम् ॥

Document Information

---

Text title : ambAnavamaNimAlA athavA AryAnavakam

File name : ambAnavamaNimAlA.itx

Category : mAlAmantra

Location : doc\_devii

Author : attributred to Kalidas

Language : Sanskrit

Subject : philosophy/hinduism/religion

Transliterated by : Maniam Varagoor maniamvaragoor at yahoo.com

Proofread by : corrected by Sunder Hattangadi NA, PR Ramamurthy

Latest update : June 10, 2006, September 20, 2014

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

Site access : <http://sanskritdocuments.org>

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted for promotion of any website or individuals or for commercial purpose without permission.

---

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

---

August 2, 2016

*sanskritdocuments.org*

---

॥ अम्बा नवमणिमाला अथवा आर्या नवकम् ॥

वाणीं जितशुकवाणीमलिकुलवेणीं भवाम्बुधिद्रोणीम् ।  
वीणाशुकशिशुपाणीं नतगीर्वाणीं नमामि शर्वाणीम् ॥ १ ॥

कुवलयदलनीलाङ्गीं कुवलयरक्षैकदीक्षितापाङ्गीम् ।  
लोचनविजितकुरङ्गीं मातङ्गीं नौमि शङ्करार्धाङ्गीम् ॥ २ ॥

कमलाकमलजकान्ताकरसारसदत्तकान्तकरकमलाम् ।  
करयुगलविधृतकमलां विमलां कमलाङ्कचूडसकलकलाम् ॥ ३ ॥

सुन्दरहिमकरवदनां कुन्दसुरदनां मुकुन्दनिधिसदनाम् ।  
करुणोज्जीवितमदनां सुरकुशलायाऽसुरेषुकृतकदनाम् ॥ ४ ॥

अरुणाधरजितबिम्बां जगदम्बां गमनविजितकादम्बाम् ।  
पालितसुजनकदम्बां पृथुलनितम्बां भजे सहेरम्बाम् ॥ ५ ॥

शरणागतजनभरणां करुणावरुणालयां नवावरणाम् ।  
मणिमयदिव्याभरणां चरणाम्भोजातसेवकोद्धरणाम् ॥ ६ ॥

तुङ्गस्तनजितकुम्भां कृतपरिरम्भांशिवेन गुहडिम्बाम् ।  
दारितशुम्भनिशुम्भां नर्तितरम्भां पुरो विगतदम्बाम् ॥ ७ ॥

नतजनरक्षादीक्षां प्रत्यक्षदैवताध्यक्षाम् ।  
वाहीकृतहर्यक्षां क्षपितविपक्षां सुरेषुकृतरक्षाम् ॥ ८ ॥

धन्यां सुरवरमान्यां हिमिगिरिकन्यां त्रिलोकमूर्द्धन्याम् ।  
विहृतसुरद्रुमवन्यां वेद्मि विना त्वां न देवतास्वन्याम् ॥ ९ ॥

एतां नवमणिमालां पठन्ति भक्त्येह ये पराशक्त्याः ।  
तेषां वदने सदने नृत्यति वाणी रमा च परममुदा ॥ १० ॥



पातय वा पाताले स्थापय वा सकलभुवनसाम्राज्ये ।  
मातस्तव पदयुगलं नाहं मुञ्चामि नैव मुञ्चामि ॥ ११ ॥

---

Encoded by Maniam Varagoor maniamvaragoor at yahoo.com  
and corrected by Sunder Hattangadi, NA, PR Ramamurthy,  
PSA Easwaran

॥ अम्बा नवमणिमाला अथवा आर्या नवकम् ॥

---

——  
.. Amba navamanimala or Arya navakam ..  
was typeset on August 2, 2016  
——

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

